



Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 13-2016/Ext.]

चण्डीगढ़, बुधवार, दिनांक 27 जनवरी, 2016
(7 माघ, 1937 शक)

विधायी परिशिष्ट

क्रमांक	विषय वस्तु	पृष्ठ
भाग—I	अधिनियम	
	इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर (संशोधन) अधिनियम, 2014 (2015 का हरियाणा अधिनियम संख्या 21) (केवल हिन्दी में)	5
भाग—II	अध्यादेश	
	कुछ नहीं	
भाग—III	प्रत्यायोजित विधान	
	कुछ नहीं	
भाग—IV	शुद्धि पर्ची, पुनः प्रकाशन तथा प्रतिस्थापन	
	कुछ नहीं	

हरियाणा सरकार
विधि तथा विधायी विभाग
अधिसूचना

दिनांक 27 जनवरी, 2016

संख्या लैज. 28/2015.— इन्दिरा गांधी यूनिवर्सिटी-इटि, मीरपुर (अंमे'न्डमेन्ट) ऐक्ट, 2014 का निम्नलिखित हिन्दी अनुवाद हरियाणा के राज्यपाल की दिनांक 21 जनवरी, 2016 की स्वीकृति के अधीन एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है और यह हरियाणा राजभाषा अधिनियम, 1969 (1969 का 17), की धारा 4-क के अधीन उक्त अधिनियम का हिन्दी भाषा में प्रामाणिक पाठ समझा जाएगा :-

2015 का हरियाणा अधिनियम संख्या 21

**इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर (संशोधन) अधिनियम, 2014
इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर अधिनियम, 2013,
को आगे संशोधित करने के लिए
अधिनियम**

भारत गणराज्य के पैंसठवें वर्ष में हरियाणा राज्य विधानमण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

1- यह अधिनियम इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर (संशोधन) अधिनियम, 2014, कहा जा सकता है। संक्षिप्त नाम।

2. इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर अधिनियम, 2013 की धारा 35 के बाद, निम्नलिखित धाराएं रखी जाएंगी, अर्थात् :-

“35क विश्वविद्यालय अभिलेख के प्रमाण का ढंग.— भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 (1872 का 1) में, या तत्समय लागू किसी अन्य विधि में दी गई किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी, विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकरण या समिति की किसी रसीद, आवेदन, नोटिस, आदेश, कार्यवाहियों, प्रस्ताव, या विश्वविद्यालय के कब्जे में अन्य दस्तावेजों, या विश्वविद्यालय द्वारा सम्यक् रूप से अनुरक्षित किसी रजिस्टर में किसी प्रविष्टि की प्रति, यदि रजिस्टर द्वारा प्रमाणित है, तो ऐसी रसीद, आवेदन, नोटिस, आदेश, कार्यवाहियां, प्रस्ताव, दस्तावेज या रजिस्टर में किसी प्रविष्टि की विद्यमानता साक्ष्य के रूप में प्राप्त की जाएगी और उसमें मामले तथा संव्यवहार के साक्ष्य के रूप में स्वीकार्य हों, जहां उनके मूल, यदि प्रस्तुत किए जाते हैं, तो साक्ष्य में स्वीकार किए जाने चाहिए।

35ख सम्पत्तियों का निहित होना.—(1) इस अधिनियम के प्रारम्भ से पूर्व इन्दिरा गांधी स्नातकोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, मीरपुर से सम्बन्धित महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक में निहित सभी सम्पत्तियां, चल और अचल तथा उसमें सभी हित चाहे किसी भी स्वरूप या किस्म के हों और सृजित किए गए तथा भरे गए पद विश्वविद्यालय में निहित होंगे।

(2) इन्दिरा गांधी स्नातकोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, मीरपुर से सम्बन्धित महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के सम्बन्ध में उपगत सभी ऋण, बाध्यताएं तथा दायित्वों, की गई सभी संविदाएं तथा किए जाने के लिए वचनबद्ध सभी मामले और बातें विश्वविद्यालय से या के लिए उपगत की गई, संविदा की गई या किए जाने के लिए वचनबद्ध मामले और बातें समझी जाएंगी।”।

2013 का
हरियाणा
अधिनियम 29 में
धारा 35क तथा
35ख का रखा
जाना।

कुलदीप जैन,
सचिव, हरियाणा सरकार,
विधि तथा विधायी विभाग।